दैनिक जागरण

वाराणसी, 24 नवंबर, 2021

एसएमएस को मिला स्वायत्तशासी का दर्जा

वाराणसी : यूजीसी ने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) को स्वायत्तता प्रदान कर दी है। अब एसएमएस को परीक्षाएं कराने और रिजल्ट जारी करने का अधिकार मिल गया है।

प्रेसवार्ता करते एसएमएस के निदेशक वीएन झा साथ में (बाएं) प्रो. संदीप सिंह व (दाएं) संजय

निदेशक प्रो. पीएन झा ने बताया यह दर्जा पाने वाला एसएमएस पूर्वांचल का पहला तकनीकी संस्थान बन गया है। मंगलवार को छावनी स्थित एक होटल में पत्रकारवार्ता में उन्होंने बताया कि स्वायत्तशासी के दर्जे के लिए यूजीसी की टीम गत नौ व 10 अगस्त को संस्थान का निरीक्षण करने आई थी। (वि.)

inext

दैनिक जागरण

Varanasi, 24 November 2021

यूजीसी से स्वायत्तता मिलने वाला संस्थान बना एसएमएस

यूजीसी की रिपोर्ट पर 10 साल की स्वायत्तता दी गयी है

मंगलवार को जानकारी देते निदेशक प्रो. पीएन झा.

varanasi@inext.co.in

VARANASI (23 Nov): स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज एसएमएस यूजीसी से स्वायत्तता पाने वाला पूर्वांचल का पहला तकनीकी संस्थान बन गया है. मंगलवार को निदेशक प्रो. पीएन झा ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि संस्थान के निरीक्षण के लिए 9 और 10 अगस्त को आई यूजीसी की टीम की रिपोर्ट के आधार पर 10 साल की स्वायत्तता दी गयी है. यह पहली बार दी जाने वाली स्वायत्तता की अधिकतम अवधि है. इसके साथ ही 10 साल बाद इसे और बढ़ाया जा सकता है. मैनेजमेंट के हेड ऑफ डिपार्टमेंट प्रो. संदीप सिंह और रजिस्ट्रार संजय गुप्ता ने बताया कि स्वायत्तता मिलने के बाद संस्थान में आगे नए कोर्स के साथ नई शिक्षा नीति के तहत अन्य तैयारियां भी की जाएंगी. अब पूर्वांचल के विद्यार्थियों को तकनीकी व रोजगार परक शिक्षा लेने के लिए अन्य शार्ट-टर्म कोर्सेज में दाखिला लेने कि बजाय यहां पढ़ने के दौरान ही प्रमुख कोर्स के साथ इन पाठयक्रमों का भी अध्ययन का फायदा मिल सकेगा.

हिन्दुस्तान
• वाराणसी • बुधवार • 24 नवंबर 2021

एसएमएस बना पूर्वांचल का पहला ऑटोनॉमस संस्थान

मीडिया से बात करते प्रो.पीएन झा (बीच में), प्रो. संदीप सिंह और संजय गुप्ता।

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) यूजीसी से स्वायत्तता पाने वाला पूर्वांचल का पहला तकनीकी संस्थान बन गया है। मंगलवार को निदेशक प्रो. पीएन झा ने मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नैक से 'ए' ग्रेड मिलने के बाद संस्थान को स्वायत्तता का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे। यूजीसी ने संसाधनों और प्रदर्शन के आधार पर संस्थान को 10 साल की स्वायत्तता प्रदान की है।

निदेशक प्रो. पीएन झा के साथ प्रबंध शास्त्र के एचओडी प्रो. संदीप सिंह और रजिस्ट्रार संजय गुप्ता ने बताया कि अमूमन पहली स्वायत्तता एक से तीन साल के लिए मिलती है मगर प्रदर्शन को देखते हुए एसएमएस को पहली ही बार में 10 साल की स्वायत्तता दी गई है। निदेशक ने आगे की योजना साझा की। बताया कि अगले सत्र से नई शिक्षा नीति के तहत नए वोकेशनल कोर्स की शुरुआज होगी। यूजीसी से स्वायत्तता मिलने के बाद संस्थान अब काशी विद्यापीठ व अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय से प्रमाणपत्र का इंतजार कर रहा है। एसएमएस इनसे संबद्ध रहा है। निदेशक ने 27 वर्षों की यात्रा में जुड़े एसएमएस परिवार के सदस्यों को बधाई दी।

उपलब्धि

- यूजीसी ने 10 साल के लिए प्रदान की है स्वायत्तता
- अब काशी विद्यापीठ और एकेटीयू से प्रमाणपत्र मिलने का इंतजार

अमर उजाला

बुधवार, 24 नवंबर 2021

स्वायत्तशासी तकनीकी संस्थान बना एसएमएस कॉलेज

वाराणसी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस) को विश्वविद्यालय अनुदान अयोग (यूजीसी) ने दस वर्षों के लिए स्वायत्तता प्रदान की है। बीते नौ ओर दस नवंबर को यूजीसी की सात सदस्यीय टीम ने संस्थान का दो दिवसीय स्थलीय निरीक्षण किया था। जिसके बाद उन्होंने स्वायत्तता प्रदान की। जिसके बाद एसएमएस पूर्वांचल का पहला स्वायत्तशासी तकनीकी संस्थान बन गया। संस्थान के डायरेक्टर पीएन झा ने छावनी स्थित एक निजी होटल में बताया कि स्वायत्तशासी दर्जा मिलने के बाद एसएमएस अब नई ऊर्जा के साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों के रोजगारपरक, डिजिटल मीडिया संबंधित पाठ्यक्रमों को विकसित करने की तरफ अग्रसर है। अब पूर्वांचल के विद्यार्थी शार्ट टर्म कोर्सेज के बजाय प्रमुख कोर्सों के साथ अध्ययन का लाभ ले सकेंगे। संवाद

राष्ट्रीय सहारा

वाराणसी। बुधवार • 24 नवम्बर • 2021

पूर्वांचल का पहला स्वायत्तशासी संस्थान बना एसएमएस

वाराणसी (एसएनबी)। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एस.एम.एस.) वाराणसी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने स्वायत्तता प्रदान की है। फिलहाल यह स्वायत्तता 10 वर्षों के लिए है परन्तु इस अवधि को समयानुसार विस्तारित किया जा सकेगा। इससे पूर्व 10 अगस्त को यूजीसी की सात सदस्यीय टीम ने संस्थान का दो दिवसीय स्थलीय निरीक्षण किया था। जिसमें यूजीसी द्वारा आठ बिंदुओं पर इस संस्थान के लेखा जोखा एवं दस्तावेजों के मूल्यांकन के बाद यूजीसी ने स्वायत्तता प्रदान की है। उक्त बातें कैंटोमेंट स्थित एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में एसएमएस के निदेशक प्रो. पीएन झा रजिस्ट्रार संजय गुप्ता व प्रो. संदीप सिंह ने संयुक्त रूप से दी।

देश के सर्वश्रेष्ठ 50 संस्थानों में शुमार है एसएमएस : प्रो.पीएन झा

प्रो. झा ने बताया कि एसएमएस अपने आगामी अध्ययन पाठ्यक्रम तथा पाठ्य विवरण का निर्धारण नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार कौशल विकास पर विशेष ज़ोर दे रहा है और कौशल विकास केन्द्र का भी गठन किया है। जिसके अन्तर्गत वेलनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम, डेटा कलेक्शन एवं एनालिसिस, फोटोग्राफी, अन्तरप्रनोरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम, कम्युनिकेशन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम प्रस्तावित है।

काशी में स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज की स्थापना 1995 में की गयी जो यूजीसी के नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्रदत्त प्रबंधन एवं तकनीकी संस्थान है। प्रो. झा बताते हैं कि एसएमएस की गणना देश के 50 सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन एवं तकनीकी संस्थानों में होती है। संस्थान अपने 90 प्रतिशत विद्यार्थियों को प्लेसमेंट दिलाता आ रहा है। संस्थान चार राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के द्वि वार्षिक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन नियमित रुप से करता आ रहा है। दस एकड़ में फैले संस्थान में 300 से अधिक कम्प्यूटर वाई फाई कैंपस, 35 हजार से अधिक पुस्तकों का संग्रह युक्त डिजिटल पुस्तकालय, जिम, क्रिड़ांगन आदि सुविधाएं है।

आज

वाराणसी २४ नवम्बर, २०२१

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइन्सेस बना स्वायत्तशासी संस्थान

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइन्सेस (एस.एम.एस.) वाराणसी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने स्वायत्तता प्रदान की है। यू.जी.सी. ने एस.एम.एस. वाराणसी को फिलहाल १० वर्षोंके लिए पूर्ण स्वायत्तता प्रदान की है। इस अवधिको समयानुसार विस्तारित किया जा सकेगा। पिछले दिनों यू.जी.सी. की सात सदस्यीय टीम ने संस्थानका द्वि-

दिवसीय व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया था, जिसमें यू.जी.सी. द्वारा प्रतिपादित आइ बिन्दुओंपर इस संस्थानके लेखा-जोखा एवं दस्तावेजोंके मानकों एवं संस्थानके निदेशक समेत विभिन्न हितधारकोंसे संवाद आधारित सूचना के आधारपर संस्थानका मूल्यांकन करनेके उपरान्त यू.जी.सी. ने एस.एम.एस. वाराणसी को ये स्वायत्तता प्रदान की है। वर्तमानमें महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालयसे सम्बद्ध यह प्रबंध संस्थान पूर्वांचलमें पहला ऐसा प्रबंधन संस्थान बन गया है जिससे यूजीसी ने स्वायत्तशासी घोषित किया है। संस्थानके निदेशक ने बताया कि २७ वर्ष की ऐतिहासिक यात्रामें एसएमएस ने मूल्य परक शिक्षा प्रदान करनेके साथ-साथ विद्यार्थियोंको शत-प्रतिशत रोजगार मुहैया कराकर इस क्षेत्रमें कीर्तिमान स्थापित किया है।

पायनियर
www.dailypioneer.com

Date 24.11.2021

एसएमएस वाराणसी बना स्वायत्तशासी संस्थान

वाराणसी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइन्सेज(एसएमएस)वाराणसी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(यूजीसी)ने स्वायत्तता प्रदान की है। यूजीसी ने अपने पत्रांक संख्या एफ 22-1/2021(एसी) 3 नवम्बर 2021 द्वारा एसएमएस वाराणसी को फिलहाल दस वर्षो के लिए पूर्ण स्वायत्तता प्रदान की है। इस अवधि को समयानुसार विस्तारित किया जा सकेगा।उक्त जानकारी एसएमएस के निदेशक प्रो पीएन झा, प्रो संदीप सिंह एवं कुलसचिव डॉ. संजय गुप्ता ने मंगलवार को पटेल नगर स्थित एक होटल में प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान संयुक्त रूप से दी। प्रो झा ने बताया कि पिछले 9 एवं 10 अगस्त को यूजीसी की सात सदस्यीय टीम ने संस्थान का द्वि-दिवसीय व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया था।

the pioneer

Date 24.11.2021

UGC grants autonomy to SMS Varanasi

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

School of Management Sciences (SMS) Varanasi has been granted autonomy by the University Grants Commission (UGC). Currently affiliated to Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth (MGKV) and Abdul Kalam Technical University, this institute has become the first technical institute of Purvanchal (eastern UP) which has been declared 'autonomous' by the UGC. In its historic journey of 27 years, SMS has established a record in this field by providing value-oriented education as well as providing robust placement to the students.

Giving this information while talking to the reporters here on Tuesday, Director Prof PN Jha, along with Registrar Sanjay Gupta and Prof Sandeep Singh, said that a leading institute of Purvanchal, this institute, on the basis of the New Education Policy (NEP), is moving towards not only acquainting the students with the new global environment, but it also dedicated to advance value-based education. According to the NEP, now a new academic calendar is being adopted in SMS so that the examinations could be conducted in a time bound manner. "Important steps are being taken in the direction of creating a research-oriented educational environment in the institute. This achievement of the institute will definitely benefit the students of nearby districts and states including Varanasi," said the Director.

Director of SMS Prof PN Jha addressing a press conference in Varanasi on Tuesday. Pioneer

According to him, after getting autonomous status, SMS is now heading with a fresh energy to develop job oriented and digital technology based curriculum for various courses. Now for getting technological and job-oriented education, students of Purvanchal instead of enrolling in short-term courses can study such courses along with the main course here only.

Highlighting about the SMS Varanasi, Prof Jha said that it was established in the year 1995. It is NAAC 'A' graded institute. It is counted among the 50 best management and technical institutes in the country. Educational courses like MBA, MCA, M Com, BBA, BCA, BCom (Honours), BCom and BA (Hons) Mass Com are conducted in the institute. This institute provides contemporary education to more than 2500 students. "Due to the job oriented education imparted by the institute, the SMS has been successful in providing prestigious jobs to more than 90 per cent of its students.

The institute has been publishing four national and international level research journals regularly.

For the development of the intellectual and multi-faceted personality of the students, the institute has already establish Centre of Spiritualism and Human Enrichment (C-SHE), Advanced Research and Development Centre, Entrepreneurship Innovation and Skill Development Centre," he said, adding that the institute spread over 10 acres of green area, has air-conditioned classrooms and more than 300 computers. A world class institution SMS is also endowed with a digital library, gym, a playground, a collection of more than 35,000 books, Wi-Fi campus and a solar 200 KW power plant.

काशीवार्ता

facebook.com I kashivartahindinews twitter.com I kashivartahindinews

वाराणसी, मंगलवार
23 नवम्बर, 2021

एसएमएस बना स्वायत्तशासी संस्थान

पत्रकारों को संबोधित करते एसएमएस के निदेशक व अन्य।

वाराणसी(काशीवार्ता)। स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेस (एस.एम.एस.) वाराणसी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने स्वायत्तता प्रदान की है। यू.जी.सी. ने फिलहाल 10 वर्षों के लिये पूर्ण स्वायत्तता प्रदान की है। इस अवधि को समयानुसार विस्तारित किया जा सकेगा। उक्त जानकारी आज नदेसर स्थित एक होटल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए निदेशक प्रो. पीएन झा, प्रो. संदीप सिंह व कुल सचिव संजय गुप्ता ने संयुक्त रूप से दी। वर्तमान में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ व अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध यह संस्थान पूर्वांचल में पहला ऐसा प्रबंधन संस्थान बन गया है, जिसे यूजीसी ने 'स्वायत्तशासी घोषित किया है। स्वायत्तशासी दर्जा मिलने के उपरांत एसएमएस अब नई उर्जा के साथ विभिन्न विषयों के रोजगारपरक, डिजिटल मीडिया संबंधित पाठयक्रमों को विकसित करने की तरफ अग्रसर है। अब पूर्वांचल के विद्यार्थियों को तकनीकी व रोजगार परक शिक्षा लेने के लिये अन्य 'शार्ट-टर्म कोर्सेज' में दाखिला लेने की बजाय यहां पढ़ने के दौरान ही प्रमुख कोर्स के साथ इन पाठयक्रमों के भी अध्ययन का फायदा मिल सकेगा।

ज्ञानशिखा टाइम्स

● 24 नवम्बर , 2021

एस एम एस वाराणसी बना पूर्वांचल का प्रथम स्वायत्तशासी तकनीकी संस्थान

मूल्यपरक शिक्षा के साथ ही शत-प्रतिशत रोजगार मुहैया करा कर एस एम एस ने बनाया कीर्तिमान

वाराणसी । स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज (एस एम एस)वाराणसी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने स्वायत्तता प्रदान की है । यूजीसी ने अपने लिखित आदेश में एस एम एस. वाराणसी को फिलहाल 10 वर्षों के लिए पूर्ण स्वायत्तता प्रदान की है इस अवधि को समयानुसार विस्तारित किया जा सकेगा । ज्ञातव्य हो कि इस क्रम में पिछले 9 एवं 10 अगस्त को यूजीसी की 7 सदस्य टीम ने संस्थान का दो दिवसीय व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया था जिसमें यूजीसी द्वारा प्रतिपादित 8 बिंदुओं पर इस संस्थान के लेखा-जोखा एवं दस्तावेजों के मानकों एवं संस्थान के निदेशक समेत विभिन्न हितधारकों से संवाद आधारित सूचना के आधार पर संस्थान का मूल्यांकन करने के उपरांत यूजीसी ने एस एम एस वाराणसी को यह स्वायत्तता प्रदान की है । वर्तमान में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ व अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय से संबंध यह प्रबंध संस्थान पूर्वांचल में पहला ऐसा प्रबंध संस्थान बन गया है जिसे यूजीसी ने स्वायत्तशासी घोषित किया है । यह जानकारी मंगलवार को स्थानीय एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में एस एम एस के निदेशक डॉ पी. एन. झा ,रजिस्ट्रार श्री संजय गुप्ता तथा प्रबंध शास्त्र विभागाध्यक्ष श्री संदीप सिंह ने संयुक्त रूप से देते हुए कहा कि अपने

पत्रकारों को संबोधित करते हुए (बाएं से) एस एम एस. के प्रबंध शास्त्र विभागाध्यक्ष संदीप सिंह, निदेशक डॉक्टर पी एन झा (मध्य में)एवं रजिस्ट्रार श्री संजय गुप्ता

27 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा में एस एम एस. ने मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ विद्यार्थियों को शत प्रतिशत रोजगार मुहैया कराकर इस क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है। पूर्वांचल में व्यावसायिक शिक्षा में अग्रणी यह संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर छात्रों को नए वैश्विक परिवेश से ना केवल परिचित कराने की ओर अग्रसर है बल्कि मूल्य आधारित शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए भी समर्पित है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार अब एस एम एस में नया एकेडमिक कैलेंडर अपनाया जा सकेगा एवं परीक्षा फल भी समय से प्रकाशित हो सकेगी । संस्थान की इस उपलब्धि से निश्चित ही वाराणसी समेत आसपास के जिलों व राज्यों के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा ।संस्थान के निदेशक डॉ. पी. एन. झा ने बताया स्वायत्तशासी दर्जा मिलने के उपरांत ऐसे में अब नई ऊर्जा के साथ विभिन्न कोर्सों के रोजगार परक, डिजिटल मीडिया संबंधित पाठ्यक्रमों को विकसित करने की तरफ अग्रसर है । अब पूर्वांचल के विद्यार्थियों को तकनीकी व रोजगार परक शिक्षा लेने के लिए अन्य शॉर्ट टर्म कोर्सेज में दाखिला नहीं लेना पड़ेगा। सर्व विद्या की राजधानी काशी में वर्ष 1995 में एस एम एस की स्थापना की गई जो कि यूजीसी की नैक द्वारा ए श्रेणी प्रदत प्रबंध एवं तकनीकी संस्थान है । एस एम एस. की गणना देश के 50 सर्वश्रेष्ठ प्रबंध एवं तकनीकी संस्थानों में होती है । एमबीए एमसीए एमकॉम बीबीए बीसीए बीकॉम ऑनर्स बीकॉम एवं बीए ऑनर्स मास काम जैसे शैक्षणिक कोर्स इस संस्थान में चलते हैं जिससे 25 सौ से अधिक विद्यार्थी अपना ज्ञानार्जन करते हैं संस्थान द्वारा दी जा रही उद्योग परक शिक्षा के कारण संस्थान अपने 90त्न से अधिक छात्रों को प्रतिष्ठित रोजगार उपलब्ध कराने में सफल रहा है ।